हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

श्री श्याम महोत्सव का आयोजन आज

मण्डला। श्री श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में द्वितीय श्री श्याम कथा महोत्सव का भव्य आयोजन 7 नवम्बर 2025 को नगर के चौपाटी के सामने आयोजन किया गया है। इस अवसर पर श्री श्याम प्रेमियों के लिए कथा, भजन संध्या एवं प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में भजन प्रवाक्तिका रेश्मी शर्मा समस्तीपुर, भजन प्रवाचक इन्द्रेश तलरेजा मंडला, निर्मल म्यूजिकल ग्रुप अपने मधुर वचनों के माध्यम से श्री श्याम प्रभु की लीलाओं एवं भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। नगरवासियों एवं भक्तों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर श्री श्याम प्रभु के चरणों में नमन करें और इस भव्य आयोजन का लाभ प्राप्त करें।

सिंधी समाज का आज देंगे ज्ञापन

मण्डला। छत्तीसगढ़ के कथित नेता अमित बघेल द्वारा सिंधी समाज और उनके आराध्य देव झूलेलाल सांई के विषय में की गई अमर्यादित एवं अभद्र टिप्पणी को लेकर देशव्यापी विरोध के बीच मंडला का सिन्धी समाज भी सडक़ पर उतर आया है। पूज्य सिन्धी पंचायत के नेतृत्व में शुक्रवार को समाज विरोध स्वरूप मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराएगा। सिंधी पंचायत द्वारा समाज के लोग बांह में काली पट्टी बांधकर इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के प्रति अपना विरोध प्रदर्शित करेंगे यह मौन जुलूस दोपहर में निकाला जाएगा और इसका उद्देश्य जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग करना है।

अवैध शराब जप्त

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें नैनपुर के रेस्टोरेंट, ढाबों में राजस्व विभाग एवं आबकारी के सहयोग से मदिरा के अवैध विक्रय पर दबिश देकर कार्यवाही की गई। इस दौरान 3 स्थानों से 60 पाव देसी मदिरा प्लेन जप्त किया गया तथा 3 प्रकरण आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत धारा 34(1) का पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 6 हजार रूपए है।

पंच चौकी महाआरती से बनी महिष्मती नगरी की नई पहचान

सनातन के ध्वजवाहक बने कलेक्टर

*** धार्मिक आयोजनों में शामिल हो प्रदर्शित की आस्था।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं देश-विदेश के मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं ठीक उसी तरह मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा भी नगर में होने वाले प्रत्येक धार्मिक आयोजनों में न केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं बल्कि पूरी श्रद्धा एवं विश्वास के साथ भागीदारी भी निभा रहे हैं।

मण्डला कलेक्टर के ही प्रयासों से आज रपटाधाम की छवि बदलती नजर आ रही है इन्हीं के प्रयासों से मण्डला धार्मिक नगरों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। पंचचौकी महाआरती आज महिष्मती नगरी की पहचान बन गई है। लाल राजस्थानी पत्थरो से सजा महिष्मती घाट प्रत्येक नगरवासियों को गौरवान्वित कर रहा है धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न हस्तियों ने यहां आकर माँ नर्मदा की पंचचौकी महाआरती में अपनी सहभागिता दिखाई है।

माँ नर्मदा के प्रति मण्डला कलेक्टर की इस तरह की श्रद्धा प्रत्येक नगरवासियों को एक प्रेरणा देने का काम कर रही है इसके अलावा अन्य धार्मिक पर्वो एवं आयोजनों में मण्डल कलेक्टर हमेंशा प्रतिनिधित्व करते दिखाई देते हैं फिर चाहे वह श्रावण मास में होने वाली कावड़ यात्रा हो, गणेशोत्सव में होने वाली सार्वजनिक महाआरती हो, नवरात्र में शक्ति की देवी माँ भवनी की आराधना हो, नगर में आने वाले भगवान जगन्नाथ के रथ को हरी झण्डी दिखाना हो इस तरह के सभी आयोजनों में मण्डला कलेक्टर अग्रणी रहे हैं।

माँ नर्मदा के बीचों-बीच कुंभ स्थल में भी एक धार्मिक कॉरिडोर बनाने का प्रोजेक्ट भी इन्हीं के प्रयासों से आगे बढ़ाया गया हालांकि कतिपय कारणों से यह प्रोजेक्ट साकार रूप नहीं ले सका नहीं तो आज मण्डला महिष्मती नगरी बनारस, उज्जैन जैसी धार्मिक नगरियों की श्रेणी में अपनी पहचान स्थापित कर रही होती।

हाल ही में पंचचौकी महाआरती की प्रथम वर्षगांठ पूरे उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाई गई इसके लिये भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई और इस चुनरी यात्रा को कलेक्टर कार्यालय से निकालने का साहस भी मण्डला कलेक्टर ने एक सनातनी होने के नाते दिखाया। चुनरी यात्रा जब महिष्मती घाट पहुंची तो माँ नर्मदा का अभिषेक तो किया ही गया साथ ही देवउठनी ग्यारस पर्व के चलते तुलसी विवाह का भी आयोजन पूजन हुआ इसमें केबिनेट मंत्री के साथ मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा उपस्थित रहे। माँ नर्मदा की भव्य महाआरती के बाद शानदार आतिशबाजी भी नर्मदा तट पर की गई इन सभी कार्यक्रमों में मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा पूरी श्रद्धा एवं पूर्ण समर्पण के साथ प्रतिनिधित्व करते नजर आये। सनातन के प्रति उनकी इस श्रद्धा एवं आस्था को हर ओर सराहा जा रहा है।

हालांकि पूर्व के कलेक्टरों ने भी धार्मिक आयोजनों के प्रति भी अपने भाव प्रदर्शित किये हैं और मण्डला में होने वाले सबसे बड़े आयोजन नर्मदा महाकुंभ के समय तात्कालीन कलेक्टर केके खरे ने शानदार इंतजाम किये थे लेकिन वे भी प्रत्यक्ष रूप से इस महाकुंभ में धार्मिक आयोजनों के समय सामने नहीं आये लेकिन मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस परिपाटी को बदलते हुये अपने धर्म के प्रति पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा को दर्शाते हुये सनातन को आगे बढ़ाने का जो शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है वह आने वाले कलेक्टरों के लिये प्रेरणादायी होगा।

गुरु नानक एवं संत नामदेव जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार चार टोला पांडू ताला में गुरुनानक देव जी की 556वीं जयंती प्रकाश उत्सव के साथ विश्व संत शिरोमणि श्री नामदेव. जी की जयंती सामूहिक रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।कार्यक्रम में सुबह से ही पूजन पाठ का दौर शुरू हुआ।सर्वप्रथम ग्रंथि निर्मल सिंह जी द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पाठ कर गुरुनानक देव जी एवं संत नामदेव जी का पूजन अर्चन किया गया। तत्पश्चात नामदेव समाज के वरिष्ठ रामस्वरूप नामदेव द्वारा संत श्री नामदेव जी का पूजन अर्चन किया गया।गुरुनानक देव एवं नामदेव जी की आरती के बाद भजन कीर्तन के साथ प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ।समाज के सदस्यों द्वारा श्री नामदेव जी व गुरुनानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया और आग्रह किया गया कि हम सभी इन संतों के विचारों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को प्रकाशवान बनाएं व निःस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करें। नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा रंगोली बनाई गई जिस पर समस्त बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया।

अंत मे भंडारा एवं लंगर के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओम नामदेव ने एवं आभार प्रदर्शन राकेश नामदेव ने किया उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में सुदेश नामदेव, रामनारायण नामदेव, मदन सलारिया गढ़ी, चिंटू नामदेव मुग्दरा, राहुल नामदेव, मुकेश नामदेव शिवांग नामदेव, संस्कार नामदेव, आदर्श नामदेव, हर्ष नामदेव सजल नामदेव विक्की राजकुमार पुराण पूरन सहित सभी वरिष्ठजनों, माताओं एवं बहनों का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। भविष्य में समाज के लोगों से ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा की गई।

एडीएम ने किया लोक सेवा केंद्रों का निरीक्षण

मण्डला। एडीएम राजेंद्र कुमार सिंह ने बुधवार को लोक सेवा केंद्र घुघरी, मोहगांव तथा उप तहसील मोहगांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सेवाओं की उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण, नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं एवं शिकायत निवारण की स्थिति की समीक्षा की गई।

प्राथमिक शिक्षक (प्रभारी अधीक्षक) श्रीमती कुशरे निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

क्षेत्र संयोजक जनजातीय कार्यविभाग मंडला एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव के जांच प्रतिवेदन के आधार पर आदिवासी कन्या आश्रम गिठार विकासखंड मोहगांव की प्राथमिक शिक्षक (प्रभारी अधीक्षक) श्रीमती शर्मिला कुशरे को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9 (1) के अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए निलंबित किया गया है। जांच में पाया गया कि आश्रम अधीक्षिका श्रीमती शर्मिला कुशरे द्वारा आश्रम को विधिवत संचालित करते हुए छात्राओं को निर्धारित मीनू के अनुसार पर्याप्त एवं आवश्यकतानुसार भोजन एवं नास्ता नहीं दिया जाता था। छात्राओं से शौचालय एवं स्नान कक्ष की सफाई कराई जाती है। बालिकाओं ने कथन में बताया कि अधीक्षिका द्वारा छात्राओं से स्वयं के कपड़े धुलवाकर एवं बच्चों से मारपीट की जाती है। प्राथमिक शिक्षक श्रीमती कुशरे के द्वारा पदीय दायित्वों/कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीन, घोर लापरवाही बरतने, अनुशासनहीनता तथा आश्रम का विधिवत संचालन न करके अनियमित्ताएं करते हुए छात्राओं को प्रताड़ित किया जाता था। निलंबन काल में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी घुघरी निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। श्रीमती कुशरे बिना पूर्व अनुमति प्राप्त किये मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

"ऑपरेशन मुस्कान" के तहत महाराजपुर स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में संचालित "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा की उपस्थिति में पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा बताया गया कि "ऑपरेशन मुस्कान" का मुख्य उद्देश्य गुम हुए अवयस्क बालक/बालिकाओं की शीघ्र एवं सुरक्षित दस्तयाबी, सुरक्षित परिजनों को सौंपना, गुमशुदगी के कारणों की पहचान कर रोकथाम करना है। पुलिस विभाग इस दिशा में सतत रूप से प्रयासरत है। उन्होंने छात्राओं से अपील किया कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध परिस्थिति, अत्याचार, शोषण या जोखिम की स्थिति में वे घबराएँ नहीं, बल्कि तुरंत पुलिस, परिवार या विद्यालय प्रबंधन को अवगत कराएँ। साथ ही उन्होंने डायल 112, चाइल्ड हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन जैसी सेवाओं की जानकारी देते हुए इनके उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्राओं को साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार, गुड टच-बैड टच, नशे के दुष्परिणाम एवं ऑनलाइन अपराध से सुरक्षा विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत अमृत ज्ञान कथा 8 नवंबर से

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

श्रीमद्भागवत अमृत ज्ञान कथा का नौ दिवसीय आयोजन सुभद्रा नगर ग्राम पंचायत कटरा में आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन स्व. कन्छेदी लाल पाठक एवं स्व. कमलेश पाठक की पुण्य स्मृति में उनके परिजनों द्वारा किया जा रहा है। यह पावन कथा नगर के सुभद्रा कॉलोनी में 8 नवंबर 2025 शनिवार से 16 नवंबर 2025 रविवार तक आयोजित होगी। कथा का शुभारंभ 8 नवंबर दोपहर 3 बजे कलश पूजन एवं भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। परमपूज्य धर्मशास्त्राचार्य पं. श्री मानवेन्द्र शास्त्री जी के मुखारबिंद से प्राप्त होगा। कार्यक्रम प्रथम दिवस 8 नवंबर को कलश पूजन एवं शोभायात्रा, 9 नवंबर को भागवत महात्म्य एवं परीक्षित जन्म कथा, 10 नवंबर धुर्व चरित्र एवं हरि अवतार कथा, 11 नवंबर प्रहलाद चरित्र एवं नरसिंह अवतार, 12 नवंबर रामावतार एवं श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव, 13 नवंबर श्रीकृष्ण बाललीला, गोवर्धन पूजा एवं रासलीला, 14 नवंबर कूर्मावतार कथा, 15 नवंबर सुदामा चरित्र, श्रीरुकमणी विवाह एवं भक्त सम्मान समारोह 16 नवंबर विराजन, शांतिपाठ एवं महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि कथा का मूल पाठ प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा कथा प्रवचन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। वहीं महाप्रसाद का आयोजन 16 नवंबर रविवार को दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। आयोजन स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन समिति में स्वागतकाशी के रूप में अनिकेत पाठक तनुश्री पाठक, मनुश्री पाठक एवं स्नेहा पाठक, वहीं राजेश कुमार पाठक और श्रीमती प्रीति पाठक ने विनती संभाली है।

पटेल मेडिकल स्टोर्स बिंझिया सील.....

मण्डला। औषधि निरीक्षक मण्डला द्वारा आज कार्यपालिक दंडाधिकारी मंडला की उपस्थिति में पटेल मेडिकल स्टोर्स बिंझिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्थान में पंजीकृत फार्मासिस्ट एवं प्रोपराइटर दोनों की अनुपस्थिति में औषधियों का क्रय-विक्रय किया जाना पाया गया। औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर औषधि निरीक्षक द्वारा मौके पर ही दवा बिक्री पर रोक लगाते हुए कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में दुकान को तत्काल प्रभाव से सील किया गया। निरीक्षण दल द्वारा औषधियों की सूची एवं अभिलेखों की जांच की गई तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार की गई।

मिशाल | **मक्के की जगह हल्दी लगाकर बने आत्मनिर्भर।**

हल्दी की खुशबू से मिली एक नई पहचान

*** लावर के किसान धर्मपाल सिंह ने पेश की नई मिशाल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

"जहां चाह, वहां राह" इस कहावत को सच कर दिखाया है ग्राम लावर के किसान धर्मपाल सिंह ने। आठ वर्ष पूर्व उन्होंने उद्यानिकी विभाग की हल्दी प्रदर्शन योजना के तहत परंपरागत खेती में बदलाव कर हल्दी की खेती शुरू की थी। आज उनकी मेहनत और नई सोच ने उन्हें आत्मनिर्भर बना दिया है।

उद्यानिकी विभाग के सहयोग से हुई शुरुआत

वर्ष 2017 में उद्यानिकी विभाग की ओर से धर्मपाल सिंह को कर्नाटक हल्दी के 250 किलोग्राम बीज और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने अपनी 1.5 एकड़ भूमि पर हल्दी की खेती का प्रयोग किया। पहले ही वर्ष उन्हें अच्छा उत्पादन मिला, जिसके बाद उन्होंने स्वयं का बीज तैयार कर हर साल हल्दी की फसल लेना जारी रखा।

धर्मपाल सिंह बताते हैं कि, "विभाग की मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से मुझे खेती में नया रास्ता मिला। अब हल्दी से ही स्थायी आमदनी हो रही है।"

फलदार पौधों से मिला दोहरा लाभ

कृषक ने बताया कि हल्दी छायादार क्षेत्रों में अधिक उत्पादन देती है। उद्यानिकी विभाग के सुझाव पर उन्होंने खेत में आम और नींबू के पौधों का रोपण किया है। इससे हल्दी की फसल को आवश्यक छाया मिलती है और सीजन में फलों की बिक्री से अतिरिक्त आमदनी होती है।

जैविक खेती से बढ़ी मांग और कीमत

धर्मपाल सिंह पूरी तरह जैविक पद्धति अपनाते हैं। फसल लगाने से पहले वे केवल गोबर की खाद का उपयोग करते हैं, किसी भी रासायनिक उर्वरक का नहीं। उनकी जैविक हल्दी की मांग जबलपुर सहित आसपास के बाजारों में लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में उन्हें 90 से 95 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कीमत मिलती है। 1.5 एकड़ भूमि से वे प्रति वर्ष 15 से 18 क्विंटल हल्दी का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उन्हें स्थायी आमदनी प्राप्त हो रही है।

नई तकनीक अपनाएं, सफलता निश्चित है

धर्मपाल सिंह का कहना है यदि किसान शासन की योजनाओं का लाभ लें और नई तकनीक को अपनाएं, तो छोटी भूमि से भी आत्मनिर्भर बना जा सकता है। उनका यह प्रयास न केवल ग्राम लावर बल्कि पूरे जिले के किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है।

सीएचसी बिछिया में मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

*** जिला टीम ने की रोगियों की स्क्रीनिंग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और रोगियों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से बीएमओ डॉ. अनूप कुमार भारतीया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

इस शिवर के लिए जिला से विशेष रूप से आई मन कक्ष की टीम ने अपनी सेवाएं दी। टीम में नोडल अधिकारी डॉ रितेश अग्रवाल, नर्सिंग ऑफिसर पारुल यादव, साध्वी पटेल, डॉ इमरान खान, डॉ मुरली मरावी, डॉ रूखमणि आरकेएसके जिला समन्वयक हेमंत राहंगडाले उमंग स्वास्थ्य परामर्शदाता नंदलाल नायक, मास्टर ट्रेनर रूपेन्द्र बरमैया, जगदीश मरावी, शिखा बर्वे, दीपांशु सिंगोर शामिल रहे।

बताया गया कि शिविर में सुबह 11 बजे से 5 बजे तक क्षेत्र के मानसिक रोगियों की सघन स्क्रीनिंग की गई। टीम ने रोगियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया और साथ ही उन्हें मन कक्ष की विस्तृत जानकारी दी।

मनहित ऐप और टॉल फ्री नंबर की दी गई जानकारी

शिविर के दौरान उपस्थित सभी मरीजों एवं परिजनों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संसाधनों की जानकारी दी गई उन्हें मनहित ऐप और टॉल फ्री नंबर 14416 की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही सामुदायिक स्तर पर उमंग स्वास्थ्य केंद्र पर भी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।यह पहल मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खबर संक्षेप

खटारा बसों के भरोसे निजी स्कूलों में पहुंच रहे मासूम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा बच्चों को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है,वही नगर में जहां तहां खुल रही शिक्षण संस्थाओं में भी सरकार द्वारा आदेश जारी किये गये है,कि वह अपनी संस्थाओं में 25 प्रतिशत ऐसे गरीब बच्चों को प्रवेश देवे जो अपनी फीस देने में सक्ष्म न हो,जिसमें इस योजना का सही तरह से प्रचार प्रसार नही होने के कारण अभिभावक एक ओर ध्यान ही नही दे पा रहे है और जो लोग इस बात को समझ रहे है। वह जब निजी शिक्षण संस्थाओं में जाते है तो वहां के संचालकों द्वारा उन्हें गुमराह कर इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अनेक प्रकार की खानापूर्ति करने की बात को लेकर प्रवेश अधर में लटका देने से गरीब बच्चों को निजी शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश नही मिल पा रहा है...? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर में चल रही अनेक निजी शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले बच्चों के अभिभावकों से संस्थाओं द्वारा फीस तो अपने मन के मुताबिक बसूली की जाती है। मगर उन्हें शुरूआती तोर पर जो सुविधाएं देने की बात कही जाती है।

वाहनों में भेड बकरी के तरह भकर ढोया जा रहा है स्कूली बच्चों को...

मासूम छात्रों की जिन्दगी से निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है खुलेआम खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/सिहोर/बोहानी। जहां एक ओर शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी धडल्ले से निजी शिक्षण संस्थाएं खुल रही है उसका परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि वह बच्चों को शिक्षा देने की ओर कम और अपनी कमाई की ओर ज्यादा ध्यान देते हुये दिखाई देने में पीछे नही है..? क्योंकि इन निजी शिक्षण संस्थाओं में अपनी कमाई के चलते स्कूल संचालकों द्वारा मनमाने तोर से अभिभावकों से फीस बसूलते हुए उन्हें अच्छी सुविधाएं देने की बात तो कही जाती है। मगर उनके द्वारा न तो बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा रहा है और न ही उनके द्वारा शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन किया जा रहा है...? क्षेत्रों में चल रहे इन स्कूलों द्वारा शिक्षा विभाग के नियमों का पालन करते हुए मुश्किल से दो चार शिक्षण संस्थाएं ही देखने मिल पायेगी जो शिक्षा विभाग के आदेशों के नियमानुसार संचालित हो रही होगी। मगर यहां पर तो स्थिति यह बनी है कि शहर से लेकर गांव गांव किराना दुकान के तरह से निजी शिक्षण संस्थाओं खुलेते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। जबकि इन शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब नया शिक्षा सत्र शुरू होता है तो अभिभावको को अनेक प्रकार के प्रलोभन देने के साथ सभी सुविधाओं का भरोसा दिलाने से नही चूकते है। मगर वह सुविधाएं बाद में कोसो दूर तक दिखाई ही नही देती है। वही दूसरी ओर अविभावकों से बच्चों को स्कूल लाने ले जाने के नाम पर जिस प्रकार वाहन शुल्क बसूला जाता है। मगर यदि उन वाहनों की स्थिति पर गौर किया जावे तो स्कूली वाहनो में संस्था के संचालको द्वारा मासूम बच्चों को भेड़ बकरी की तरह ठूस ठूस कर भरने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। वही दूसरी ओर अनेक

शिक्षण संस्थाओं द्वारा जो वाहन छात्र छात्राओं के लाने ले जाने में उपयोग किये जा रहे है। यदि उनकी आर टी ओ संबंधित जानकारी देखी जावे तो अनेक शिक्षण संस्थाओ के पास वाहनों का परमिट व बीमा ही नही होते है। कुछ वाहन तो इस प्रकार के होते है जो निजी उपयोग के नाम पर दर्ज है। मगर उनका उपयोग स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने में होते हुये देखा जा रहा है..? इतना ही नही इन वाहनों को चलाने वाले चालको की सच्चाई तो वह शिक्षा विभाग के नियम से पात्र न होने के बाद भी वह स्कूली वाहन दौड़ाते हुये देखे जा रहे है। नियम के अनुसार बताया जाता है कि यदि किसी शिक्षण संस्था के पास वाहनों का परमिट लिया भी गया है तो वह मात्र नगरपालिका एक फिर नगर परिषद ऐरिया तक ही सीमित है। जबकि इन संस्थाओ द्वारा आने वाहनों को समीपस्थ क्षेत्र के गांवों तक दौडते हुये देखा जा रहा है। इस तरह शहर के बाहरी इलाकों से खुलेआम छात्र छात्राओं को बगैर परमिट व बीमा वाली बसों के माध्यम से लाना ले जाना किया जा रहा है जो पूर्णरूप से अवैध होने के साथ साथ छात्र छात्राओं की जिन्दगी के साथ खुला खिलबाड़ होने से नही चूक रहा है..? वही नियम के साथ यदि किसी शिक्षण संस्था के पास अपने वाहन का परमिट है भी तो उसमें निर्धारित सवारियों की जगह मनके मुताबिक भेड़ बेकरी के तरह बच्चों को भरने से नही चूक रहे है? जबकि क्षेत्र की अनेक निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा अपने वाहनों का टेक्स तक नही भरे जाने के बाद भी वह स्कूली बच्चों को ढोते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में संबंधित विभाग विभाग को तो राजस्व की क्षति हो ही रही है दूसरी ओर बच्चों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक पा रही है। मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी उनकी कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक पा रही है? इस तरह नगर से लेकर क्षेत्र के अन्य गांवो व कस्बो में संचालित होने वाले अनेक हाई फाई स्टेन्डर शिक्षण संस्थाओं में चल रही बसों व मैजिक गाडिया तथा बेनों सहित आटों में स्कूली बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ होते हुये आसानी से देखा जा सकता है जो बगैर परिमट व बीमा सहित आर टी ओ टेक्स का भुगतान किये हुए प्रतिदिन नगर सहित आसपास के थाने क्षेत्रों की ग्रामीण सड़कों पर दौड़ती हुई नजर आ रही है। इस प्रकार से इन निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा वाहन

शुल्क के नाम पर अभिभावकों से तो फीस के रूप में पूरी राशि बसूली जा रही है। मगर उनके द्वारा मासूम बच्चों की जिन्दगी की साथ खुला खिलबाड़ किया जा रहा है..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि भगगवान न करे कि इस तरह बगैर परमिट, बीमा व बगैर टेक्स का भुगतान किये बच्चों को लेकर दौड रहे इन स्कूली वाहनों में यदि कोई घटना घटित हो जाती है तो उन मासूम बच्चों का क्या हाल होगा और इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? कुछ स्कूली वाहनों की हालत तो इस तरह से देखने मिल रही है कि उनके कांच तक टूटे फूटे है होने के साथ उन्हे चालू करने के लिए स्कूली बच्चों को ही धक्का तक लगाते हुए देखा जाता है। मगर हैरत की बात है कि निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा बच्चों को लाने ले जाने के नाम पर वाहन शुल्क के रूप में मनमानी फीस बसूले जाने के बाद मासूम की जिन्दगी के साथ की जा रही खिलबाड़ को लेकर जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुये है। इस सच्चाई को लेकर आमजन का कहना है कि सही मायने में देखा जावे तो पुलिस प्रशासन एवं यातायात विभाग की उदासीनता का ही परिणाम है कि इन शिक्षण संस्थाओं के संचालकों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है कि वह खुलेआम जहां मासूम बच्चों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है? यदि पुलिस प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ जांच अभियान छेड़ देती है तो निश्चित ही नियमों को दर किनार करते हुयें सड़को पर दौड रहे इन स्कूली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगने में देर नही लगेगी।

कल्याणपुर के स्कूल में आईआईटी वैज्ञानिक ने छात्र छात्राओं को दिया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डॉक्टर अरुण शराफ ने छात्र छात्राओं को विज्ञान से संबंधित विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया। बताया जाता है कि उन्होंने पी .एच. डी. की डिग्री यूनिवर्सिटी ऑफ डंग इंग्लैंड से प्राप्त की साथ ही आईआईटी रुड़की के अर्थ एवं स्पेस विभाग में डीन का दायित्व निभाया। इस दौरान उन्होंने लगभग 10 से 15 देशो की यात्रा की एवं सेम्पोजियम अटेंड किए। साथ ही उनके यूट्यूब पर लगभग 200 से 250 व्याख्यान अंग्रेजी में दर्ज है। इस कार्यक्रम में बच्चों को उच्च अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया एवं मोबाइल फोन में जीपीएस, जीपीआरएस की जानकारी देने के साथ ही बताया आपके मोबाइल में कौन-कौन देश के सर्विलांस मिल रहे हैं। भारतीय आर्मी भी नाविका नामक सर्विलांस सिस्टम का उपयोग करती है। ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट स्ट्राइक में उपयोग हुए अंतरिक्ष नेटवर्क सिस्टम एवं टेक्नोलॉजी के बारे में बताया और कहा कि वर्तमान में भारतीय सेना सबसे आधुनिक हथियारों से लैस है। इस दौरान उन्होंने स्पेस में हो रहे कार्यों के बारे में बताया तथा नासा से जुड़ने का अनुभव शेयर किया गया। वही अर्थ विज्ञान अंतर्गत भूकंप के बारे में उत्तराखंड धरवाड़ी पहाड़ टूटने की घटना का वैज्ञानिक कारण तथा साइक्लोन क्यों आते हैं इस पर अपने विचार रखें। इस आयोजन में ग्रामवासी अशोक कोचर, अशोक शुक्ल एवं छात्रा खुशी शर्मा, छात्र अयान रंगरेज के प्रश्नों जैसे आईआईटी में प्रवेश कैसे होता है एवं कितना आर्थिक खर्च आता है अन्य विषयों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य ओम प्रकाश कौरव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके आने से बच्चों को स्पेस , अर्थ टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी मिली साथ ही विदेशों में अध्ययन की व्यवस्था, आईआईटी में प्रवेश की जानकारी से छात्र प्रेरित हुए। इस अवसर पर रूचि वर्मा,शिवदास चढ़ार, दीपक शर्मा, योगेश कौरव का सहयोग प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय अंडर-19 व्हालीबॉल प्रतियोगिता की तैयारियों जोरों पर, 13 से 17 नवम्बर के बीच खेल महाकुंभ डुबकी लगायेगी अनेक प्रांतों की टीमें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की अगुआई में उपलब्धियों के सफर में निरंतर गाडरवारा के हिस्से में एक और बड़ी उपलब्धि आने से नही चूक रही है। खेल के क्षेत्र में गाडरवारा का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर रोशन होने के लिये दिखाई दे रहा है। बताया जाता है कि आने वाले 13 नवम्बर से 17 नवम्बर बीच शहर में राष्ट्रीय अंडर-19 व्हालीबॉल प्रतियोगिता के आयोजन की मेजबानी गाडरवारा द्वारा की जा रही है। इस तरह नगर में सज रहे खेल के महाकुंभ के दौरान देश के कौने कौने से आने वाली टीमें डुबकी लगायेगी। ज्ञात हो कि गत वर्ष राष्ट्रीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के बाद गाडरवारा को पुनः मिले इस बड़े और उपलब्धिपूर्ण अवसर में यहाँ पर होने वाले राष्ट्रीय स्तर की इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन भव्य तरीके कराने की प्रशासन द्वारा तैयारियाँ की जा रही है। वही शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा लगातार बैठकों का आयोजन करते हुये आयोजन की रूप रेखा को लेकर निर्देश दिये जा रहे है। पूर्व के समय में जिन राज्यों में यह प्रतियोगिता आयोजित हुई हैं, उनके अनुभवों के आधार पर इसे और बेहतर तरीके से आयोजित करने का संकल्प है। शिक्षा विभाग का प्रयास होगा कि यह प्रतियोगिता अन्य राज्यों में अब तक हुई प्रतियोगिताओं से भी बेहतर हों..। आयोजन की अच्छी व्यवस्था के साथ ही ओशो भूमि गाडरवारा में देशभर से आने वाले खिलाड़ियों और लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस तरह के आयोजन से यहां के लोगों का मनोबल और प्रोत्साहन बढ़ेगा और क्षेत्र को एक अच्छा मंच भी मिलेगा। प्रतियोगिता का आयोजन गाडरवारा के हृदय स्थल पुराने कालेज खेल मैदान में किया जायेगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रत्येक राज्य से चयनित खिलाड़ियों सहित कोच, रैफरी एवं मैनेजर शामिल रहेंगे। जिनकी बेहतर से बेहतर आवागमन, भोजन, आवास एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं प्रशासनिक स्तर पर योजनाबद्ध तैयारियां की जा रही हैं। नगर के पुराने कालेज खेल मैदान में देशभर के खिलाड़ी स्वतंत्र भाव से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें, इस हेतु विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता मैं आने वाले खिलाड़ियों के सत्कार में अभूतपूर्व इतिहास रचने वाले गाडरवारा शहरवासी पुनः पलक पांवड़े बिछाकर राष्ट्रीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में आने वाले प्रतिभागियों का सत्कार करने उत्साहित नगर आने से नही चूक रहे है।

तेंदूखेड़ा प्रशासन की उदासीनता का परिणाम

ककरा घाट नर्मदा में डूबे किशोर का दूसरे दिन भटेरा के पास मिला

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कार्तिक पूर्णिमा के दौरान माँ नर्मदा स्थानों के लिये उमड़ने वाले जन सैलाब के चलते नर्मदा तटों पर मेला लगाने की सच्चाई को मीड़िया द्वारा लगातार उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। मगर इन मेलों की व्यवस्थाओं को बनाने में जिस तरह से प्रशासन के अधिकारियों द्वारा उदासीनता बरती जाती है उसका परिणाम घटनाओं के रूप में सामने आने से नही चूक पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये बुधवार यानि की कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदाजी के ककरा घाट उत्तर तट यानि की तेंदूखेड़ा प्रशासन के अधीन आने वाले क्षेत्र में घटित घटना की सच्चाई ने निश्चित तौर से तेंदूखेड़ा पुलिस सहित राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? क्योंकि एक दिन पहले जिला अधिकारी द्वारा जिस तरह कार्तिक पूर्णिमा को लेकर नर्मदाजी के मेला स्थलों का निरीक्षण करते हुये वहां पर सुरक्षा के जरूरी प्रबंध करने के लिये निर्देश जारी किये गये थें। उस निरीक्षण को लेकर जारी की गई प्रेस विज्ञाप्ति में ककरा घाट भी शामिल था। मगर इसके बाद भी इस घटना पर घटना घटित होना निश्चित तौर से इस सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा कि या तो तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अधिकारियों के सामने जिला अधिकारी का आदेश कोई महत्व नही रखता है या फिर जिला अधिकारी के आदेश का परिपालन नही हुआ है जिसके चलते अपने जन्म दिवस के मौके पर जिन माता पिता को अपने किशोर बेटे का केक काटने की जगह पानी से निकलने की उम्मीद करते हुये देखे गये। ज्ञात हो कि कार्तिक पूर्णिमा के मौके

पर गाडरवारा के शिवाजी वार्ड निवासी मोहित पिता संतोष सोनी अपने दोस्तों के साथ ककरा घाट नर्मदा स्नान करने के लिये गया हुआ था। यह तीनों किशोर नर्मदा की उत्तर तट यानि की तेंदूखेडा क्षेत्र के रेत घाट पर नर्मदा में नहाने के दौरान अचानक गहरे पानी में चले गये। मौके पर मौजूद नाव चलाने वाले लोगों द्वारा दो किशोरों को तो बचा लिया गया। मगर मोहित सोनी का डूबने के बाद कही कोई पता नही चला। इस तरह घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ देर बात तेंदूखेड़ा पुलिस सहित अन्य अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर पानी में डूबे हुये किशोर की खोजबीन जरूर की गई मगर पता नही चलने के बाद घटना के

दूसरे दिन यानि की गुरूवार को नर्मदा डूबे हुये किशोर का शव भटेरा घाट के समीप मिला। इस तरह मृत बेटा को देखकर जहां माता पिता को बुरा हाल होते हुये देखा गया। दूसरी ओर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिला अधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन यदि तेंदूखेड़ा प्रशासन द्वारा निष्ठा के साथ करते हुये मेले में सुरक्षा व्यवस्था के उचित प्रबंध किये गये होते तो निश्चित ही माता पिता का लाड़ला दीपक बुझने से बच सकता था...?

क्षेत्र के विद्यार्थियों ने वॉल बैडमिंटन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम, जीते अनेक पदक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय वॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 4 ट्रॉफी और पदक अपने नाम किए।जिनमे क्षेत्रीय खिलाड़ियों के शानदार खेल प्रदर्शन से पूरे संभाग का मान बढ़ा।14 वर्ष बालिका वर्ग में जबलपुर संभाग की टीम से शिक्षक मनीष शंकर तिवारी की पुत्री अन्या तिवारी एवं परेश शर्मा की पुत्री अक्षित शर्मा ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए टीम को गोल्ड मेडल दिलाया। इसी प्रकार 14 वर्ष बालक वर्ग में संदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा के छात्र आदित्य ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया और रजत पदक (सिल्वर मेडल) अर्जित किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में अंबिका लोधी ने शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। वहीं 17 वर्ष बालक वर्ग में अभिषेक राजपूत ने अपनी उम्दा खेल प्रतिभा से टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाया और टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त

किया। 19 वर्ष बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार 19 वर्ष बालक वर्ग में संदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा के छात्र ऋषिक दुबे, जय चौरसिया एवं सुमित राजपूत ने उल्लेखनीय खेल प्रदर्शन करते हुए टीम को चौथे स्थान तक पहुंचाया।सभी वर्गों की टीमों ने कोच आदित्य कुमार द्विवेदी एवं परेश शर्मा के मार्गदर्शन में अनुशासित और प्रेरणादायक खेल दिखाया। इस शानदार उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुज जैन, सहायक संचालक श्रीमती सीमा डोंगरे, प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, बी.आर.सी. सन्दीप स्थापक सहित भानुप्रताप राजपूत, अखिलेश मेहरा, ओम जी कौरव सहित सभी शिक्षकों ने प्रसन्नता जताई है।

पीएमयूएम शिक्षक संघ की बैठक हुई आयोजित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। रविवार को प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ(पी. एम. यू. एम.) एवं कर्मचारी कल्याण कोष का दीपावली मिलन समारोह एवं बैठक का आयोजन स्थानीय शनि मंदिर परिसर विवेकानंद वार्ड में किया गया। बैठक में संघ के जिला अध्यक्ष मधुसूदन पटैल ने सभी शिक्षकों को कर्मचारी कल्याण कोष योजना से अवगत कराया एवं संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित व्याख्याता राजेश गुप्ता ने कहा कि जिले के सभी शिक्षकों को कर्मचारी कल्याण कोष योजना से जुड़ना चाहिए। बैठक में प्राचार्य जीवन लाल झरखडे ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने करते हुए संघ व कर्मचारी कल्याण कोष के विषय में जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षक सिराज अहमद सिद्धिकी, ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा,के के दुबे,प्रसन्न दुबे, रीतेश इंदौरकर, प्रमोद ढिमोले, खूबचंद कोरी, देवेंद्र ठाकुर सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

गन्ना फसल को जकड़ रहे फुन्दीनुमा कीट, किसान में फैल रही चिंता की लकीरे

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान लगातार परेशानियों से जूझने के लिये मजबूर होते हुई दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि जिस प्रकार से क्षेत्र का किसान रात दिन एक करते हुये अपने खेतों में गन्ना की फसल को तैयार करने में लगा हुआ देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर जहां इस वर्ष किसानों को धान सोयाबीन, उड़द व मूक सहित अन्य फसलों पर जो उम्मीद जाग रही थी वह तो प्रकृति की मार से बर्बाद हो चुकी है..., मगर इसके बाद किसानों को अपनी गन्ना फसल को लेकर अनेक प्रकार के सपने संजोये जा रहे थें। मगर जिस तरह गन्ना फसल में फुन्दी नुमा कीट लगाते हुये देखा जा रहा है उससे यह जान पड रहा है कि शायद किसानों की यह फसल भी धोखा दे जावेगी। क्योंकि किसानों की गन्ना फसल के अंदर यदि प्रवेश करके देखा जावे तो निश्चित तौर से फुंदी नामक कीट किस स्थिति में फसल को बर्बाद कर रहा है उसकी सच्चाई खेत में पहुंचते ही उजागर होने से नही बच पा रही है। यह बात अलग है कि इस समय किसानों के गन्ना की कटाई का कार्य तो शुरू हो चुका है मगर देखा जाता है कि इस कार्य को पूर्ण होने में फरवरी मार्च तक का समय लग जाता है इस स्थिति में निश्चित तौर से अंतिम बेला तक यह फंदी किसानों की गन्ना फसल को काफी हद तक प्रभावित कर चुकी होगी।

बाजार में छले जा रहे उपभोक्ताओं का भगवान ही मालिक, पक्के बिल देने से कतरा रहे व्यापारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शहर सहित क्षेत्र के बाजारों में बढ़ रही बाजारो की चकाचौंध बढ़ने के साथ ही आस पास के गॉवो में स्थित दुकाने भी आधुनिक दौर की मनचाही चीजो से सजने लगी है, जीवन शैली बदलने, उपभोक्ता वादी संस्कृति की वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है। यह बात अपनी जगह सही है किन्तु हकीकत यह है कि चमकते, दमकते बाजार में वर्तमान में उपभोक्ता की हैसियत ऐसी आदमी की रह गयी है, जो चुपचाप बिना मोलतोल किए अपनी जरूरी की चीजें खरीदकर घर वापिस हो जाते है, जाहिर है व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में इतनें संबेदन हीन हो गए है कि उन्हे उपभोक्ताओं को हितों को नजर अंदाज करने में मजा आ रहा है, जिसका नतीजा है कि उपभोक्ता ठगे जा रहे है ।

खबर संक्षेप

कोदो- कुटकी उपार्जन हेतु पंजीयन की तिथि 9 नवम्बर 2025 तक बढी

डिंडौरी। जिले में कोदो- कुटकी के उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन कार्य जारी है। शासन द्वारा कृषक हित को ध्यान में रखते हुए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 9 नवंबर 2025 निर्धारित की गई हैं। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानो से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के पूर्व ई-उपार्जन पोर्टल पर अपनी फसल कोदो-कुटकी का पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। कृषि अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के द्वारा किसानो के घर- घर जाकर, चौपाल लगाकर, पंचायतों मे,सोसायटी मे जाकर कृषकों का पंजीयन कराया जा रहा है जिससे की कृषकों को इस योजना मे अधिक से अधिक जोड़कर आर्थिक लाभ प्रदाय किया जा सके। आज तक जिले मे कुल 2582 कृषक पंजीयन किये जा चुके है। कृषक स्वयं भी अपनी फसल कोदो -कुटकी का पंजीयन ई-उपार्जन केंद्र, एम. पी. ऑनलाईन कियोस्क, कामन सर्विस सेंटर कियोस्क, निजी ऑनलाईन कैफे, लोक सेवा केंद्र मे जाकर करा सकते है। कोदो -कुटकी के पंजीयन हेतु जिले मे 30 केंद्र स्थापित किए गए हैं।

कोकोमटा सरपंच राममिलन मरकाम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोकोमटा में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार और शासकीय राशि में हेराफेरी के चलते नाराज पंचों ने बहुमत से सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया है । सरपंच राममिलन मरकाम की मनमानी, अपारदर्शी कार्यशैली और शासकीय राशि के कथित दुरुपयोग से नाराज पंचों ने एकजुट होकर उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित कर दिया। ग्रामीणों और पंचों का आरोप था कि सरपंच ने पंचायत निधियों के उपयोग में अनियमितताएं बरतीं और विकास कार्यों में पारदर्शिता नहीं रखी। ग्रामवासियों द्वारा कई बार शिकायतें जिला प्रशासन तक पहुंचाई गईं, लेकिन कार्रवाई कागजों से आगे नहीं बढ़ सकी। अंततः पंचों ने सामूहिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया। 06 नवंबर को दोपहर 12 बजे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डिंडौरी के निर्देशानुसार पंचायत भवन में मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। मतदान की पूरी कार्यवाही पीठासीन अधिकारी नायब तहसीलदार समनापुर श्री सुकमन कुलेश की उपस्थिति में की गई। मतदान के दौरान सरपंच राममिलन मरकाम, उपसरपंच तथा एक वार्ड पंच अनुपस्थित रहे, जबकि शेष सदस्यों ने सक्रिय रूप से मतदान में भाग लिया। परिणामस्वरूप अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में 09 मत पड़े, जिससे प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। पीठासीन अधिकारी श्री कुलेश ने बताया कि मतदान प्रक्रिया पूर्णतः शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और परिणाम की सूचना उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद पंचायत क्षेत्र में नई राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस निर्णय को "जनता की जीत" बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच की मनमानी और विकास कार्यों में लापरवाही से पूरा पंचायत क्षेत्र प्रभावित हो रहा था।

मानिकपुरी कबीर पंथियों ने धनी धर्मदास साहब का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया

डिंडौरी। बुधवार को नर्मदा घाट स्थित सतगुरु कबीर आश्रम में मानिकपुरी समाज के कबीर पंथियों द्वारा कबीर पंथ के प्रवर्तक धनी धर्मदास साहब का प्रकट उत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत निशान पूजा, सात्विक यज्ञ, आनंदी चौंका आरती के साथ हुई। जिलेभर से आए कबीर पंथियों और मानिकपुरी समाज के वरिष्ठजनों ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान भोजन भंडारा का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर नवगठित जिला संगठन के कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा की शपथ ली और समाज के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला कमेटी, संत-महंत, समाज के वरिष्ठजन, नेमी प्रेमी भक्तजन सहित बड़ी संख्या में कबीर पंथी उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत घर घर मतदाता सत्यापन अभियान

घर-घर पहुंचे बीएलओ, वितरित किया फार्म

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जिलें की दोनों विधानसभा में आरंभ हुआ।

डिंडौरी ।

पहले दिन सभी बीएलओ अपने-अपने इलाके में पहुंच और उन्होंने मतदाताओं को फार्म वितरित किए। इन फार्मों में मतदाताओं को जल्द से जल्द जानकारी भरकर तैयार करना है। क्योकि तीन या चार दिन बाद ही बीएलओ फिर से मतदाताओं के घर पहुंचेगे और भरे हुए फार्म जमा करेगें। बीएलओ ने फार्म में भरी जाने वाली जानकारी के बारे में भी मतदाताओं को बताया। अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के 104 डिण्डौरी के अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 24 मुड़की माल एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 25 डांडविदयपुर माल भाग - 1 क्षेत्र पहुंचकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे गणना पत्रक वितरण कार्य का 03-03 परिवारो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डांड विदयपुर के बी.एल.ओ. को फार्म वितरण की सही जानकारी उपलब्ध न कराने पर उन्हें कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने के निर्देश रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डिण्डौरी को दिये गये। उन्होंने इस दौरान नागरिकों को एसआईआर की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देकर अपील की कि सभी नागरिक निर्धारित गणना पत्रक में सही-सही जानकारी भरें एवं फॉर्म भरने में कोई समस्या आए तो अपने बीएलओ से सहयोग करें। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ गणना पत्रक वितरण, फार्म भरवाने एवं सत्यापन कार्य किया जा रहा है। बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म का वितरण एवं भरे हुए फॉर्म का संग्रहण कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो सके। साथ ही किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और सभी नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग सुनिश्चित कर सकें।

नर्मदांचल विद्यापीठ बरगांव के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण 7 नवम्बर को

एसईसीएल के सहयोग से जनजाति क्षेत्र में शिक्षा का नया आयाम

शहपुरा (डिण्डौरी)

।जनजातीय अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित नर्मदांचल विद्यापीठ जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल, बरगांव का नवनिर्मित विद्यालय भवन अब पूर्ण रूप से तैयार हो गया है। इस भवन का भव्य लोकार्पण समारोह शुक्रवार, 7 नवम्बर 2025 को अपराह्न 1 बजे आयोजित किया जाएगा।

यह भवन साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL), कोल इंडिया के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) मद के अंतर्गत निर्मित किया गया है। समारोह में राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर के कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. मनमोहन वैद्य पधारेंगे।विशिष्ट अतिथियों में प्रांत संघ चालक प्रदीप दुबे, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डॉ. एच. पी. सिंह, तथा एसईसीएल बिलासपुर (छ.ग.) के महाप्रबंधक (CSR) कैलाश चंद्र साहू शामिल होंगे।समारोह का आयोजन नवनिर्मित नर्मदांचल विद्यापीठ परिसर, ग्राम बरगांव, पोस्ट करौंदी, शहपुरा, जिला डिण्डौरी (म.प्र.) में किया जाएगा।जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल के अध्यक्ष मनोहर लाल साहू, नर्मदांचल विद्यापीठ समिति के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण बिलैया, तथा प्राचार्य श्रीमती सुरभि पाण्डेय ने संयुक्त रूप से बताया कि यह विद्यालय भवन ग्रामीण एवं जनजातीय विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। एसईसीएल के सहयोग से बने इस भवन में आधुनिक शिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिल सकेगा।आयोजन समिति ने बताया कि इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। साथ ही सभी नागरिकों से समय पर उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने की अपील की गई है।

विधायक धुर्वे ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

सुबह 11 बजे तक नहीं मिले ड्यूटी डॉक्टर, मरीजों को हुई परेशानी

डिंडौरी।

स्थानीय विधायक ओम प्रकाश धुर्वे ने जिला चिकित्सालय का अचानक निरीक्षण किया, जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही साफ नजर आई। निरीक्षण के दौरान सुबह 11 बजे तक ओपीडी में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिसके कारण इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ा।अस्पताल परिसर में मरीजों की भीड़ और लंबी कतारें देख कर विधायक ने स्वयं मरीजों से बातचीत की। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर समय पर नहीं आते, जिससे उन्हें घंटों तक परेशानी उठानी पड़ती है।

इस अव्यवस्था पर विधायक धुर्वे ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "जब जिले के मुख्य अस्पताल की यह स्थिति है, तो ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं का अंदाजा लगाया जा सकता है।"विधायक ने मौके पर ही स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि लापरवाह अधिकारियों और अनुपस्थित डॉक्टरों पर त्वरित कार्यवाही की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।विधायक के इस औचक निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, और अस्पताल प्रबंधन पर जवाबदेही की स्थिति बन गई है।

कलेक्टर ने दिव्यांग हितग्राही की समस्या सुनते ही दिए तत्काल समाधान के निर्देश

डिंडौरी । कलेक्ट्रेट कार्यालय डिंडौरी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान गुरुवार को एक भावनात्मक और प्रेरक दृश्य देखने को मिला। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अपनी कुर्सी से उठकर स्वयं एक दिव्यांग हितग्राही के पास जाकर उसकी बात सुनी और तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।जनसुनवाई में उत्तमचंद चौकसे, निवासी ग्राम जुनवानी, विकासखंड अमरपुर, अपने आवेदन के साथ पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके प्रकरण में बिना उनकी बात सुने एकपक्षीय निर्णय लिया गया है। इस पर उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने हितग्राही की स्थिति को देखते हुए गहरी संवेदनशीलता और मानवीयता का परिचय दिया। उन्होंने पूरे ध्यान से उसकी समस्या सुनी और संबंधित अधिकारियों को कहा कि मामले की गहन जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके।कलेक्टर ने कहा, प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। दिव्यांगजन के अधिकारों की रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।जनसुनवाई में उपस्थित लोगों ने कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के इस संवेदनशील और तत्पर व्यवहार की जमकर सराहना की। नागरिकों ने कहा कि उन्होंने अपने मानवीय आचरण से प्रशासनिक सेवा को नई दिशा दी है। वास्तव में, कलेक्टर भदौरिया ने एक बार फिर साबित किया कि संवेदनशीलता और सेवा भाव ही सच्चे प्रशासन की पहचान है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में विशेष आयोजन

डिंडौरी ।

शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक जिले में वंदे मातरम और ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दृष्टिगत वर्ष भर विविध गतिविधियां चार चरणों में व्यापक रूप से आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में गुरूवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में राष्ट्रीगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय, तहसील, विकासखंड, ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, शासकीय, अर्धशासकीय, विद्यालय, महाविद्यालयों में शासन के निर्देशानुसार सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित की गई। जिसमें बीईओ, बीआरसी, विभाग प्रमुख, पुलिस, उच्च शिक्षा विभाग, वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे वर्ष मनाया जाना है। जिसमें दिनांक को प्रथम चरणः 7 नवबंर से 14 नवम्बर 2025 तक संचालित रहेगा। जिसके अंतर्गत 7 नवंबर 2025 को कलेक्ट्रेट प्रांगण में जिला मुख्यालय स्तर पर मुख्य समारोह आयोजित होने जा रहा है। जिसमें सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि का स्वागत, दीप प्रज्जवलन, विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत का गायन, साथ ही साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम को भव्य स्वरूप प्रदान करने हेतु पुलिस बैंड/ स्कूल बैंड, बजाया जाएगा। इसी के साथ प्रातः 9.30 बजे जिला मुख्यालय, तहसील/विकासखंड मुख्यालय, शासकीय, अर्धशासकीय विद्यालय/महाविद्यालयों में वंदे मातरम का संपूर्ण गायन का आयोजन किया जाएगा। तदुपरांत प्रातः 10 बजे से नई दिल्ली से माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सीधे प्रसारण किया जाएगा। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में छात्र-छात्राएँ, जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, पुलिसकर्मी, डॉक्टर एवं शिक्षक इसमें भाग लेंगे। बैठक को संबोधित विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि "वंदे मातरम" केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय गौरव, एकता और देशभक्ति का प्रतीक है। यह गीत देश की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है और आज भी हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम की भावना जगाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर आयोजित होने वाले वर्षभर के कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता की भावना को और सशक्त करेंगे। श्री धुर्वे ने आगे कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि हम "वंदे मातरम" के 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान एवं समर्पण का भाव जन-जन तक पहुँचाएँ।

8 नवम्बर 2025 को जिला पंचायत, ग्राम पंचायत स्तर पर वंदे मातरम का गायन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, पुलिसकर्मी, डॉक्टर एवं शिक्षक आम जनता शामिल होंगे। 10 नवम्बर 2025 नगरीय निकाय नगर परिषद डिंडौरी और शहपुरा में सामूहिक गायन पुलिस बैंड बाजे के साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम समारोह का आयोजन होगा। जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, स्टॉफ, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग उपस्थित रहेंगे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक, वर्चुअल रूप से एसडीएम बजाग, शहपुरा, समस्त जनपद पंचायत सीईओ, समस्त तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस चुनाव में क्षेत्र के पदाधिकारियों की बड़ी जीत

डिंडौरी ।

भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश में ब्लॉक से लेकर प्रदेश स्तर तक के पदों के लिए अप्रैल 2025 में शुरू की गई चुनाव प्रक्रिया के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। सदस्यता अभियान और ऑनलाइन मतदान के बाद आए परिणामों में इस बार भी बजाग क्षेत्र का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

जिला अध्यक्ष पद पर शाहपुरा के अमन पाठक ने 800 से अधिक मतों के अंतर से विजयी रहकर अपनी मजबूत पकड़ दर्ज की। वहीं उपाध्यक्ष पद पर राजेश मरावी ने 517 मतों से जीत हासिल की। जिला महामंत्री पद पर शुभम साहू ने 715 मत पाकर अपनी स्थिति पक्की की।विधानसभा अध्यक्ष पद पर बजाग क्षेत्र के गाड़ासरई निवासी शनी साहू ने 580 मतों से जीत दर्ज की। इसी तरह बजाग ब्लॉक अध्यक्ष पद पर अरविंद पड़वार ने 285 मतों की बढ़त के साथ विजय प्राप्त की और ब्लॉक का नेतृत्व संभाला।चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद बजाग युवा कांग्रेस कार्यालय में नव निर्वाचित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने विजेताओं का तिलक कर और मिठाई वितरित कर खुशी मनाई।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओमकार मरकाम, पूर्व विधायक भूपेंद्र मरावी, ब्लॉक अध्यक्ष जावेद इकबाल, लोकेश पटेरिया, रमाकांत साहू, अयोध्या बिसेन, संतोष मरकाम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपचंद पूशाम, शिवराज ठाकुर, अजय साहू, संतोषी राम साहू, विक्की खान, ज्योतिरादित्य भलावी, भुनेश्वर सोनी अंकित ठाकुर, सचिन नंदा, बलिराम पड़िया, भगवंता आर्मो पप्पू पांडे, नाहर धुर्वे, लोकेश मुकेश यादव और राधेश्याम कुशराम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।सभी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को जीत की शुभकामनाएं दीं और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

नर्मदांचल विद्यापीठ महाकोशल बरगांव मैं हुई मां सरस्वती की प्राण प्रतिष्ठा

नवीन विद्यालय भवन में हुआ वास्तु पूजन

शहपुरा

नर्मदांचल विद्यापीठ जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव मैं नवीन विद्यालय भवन में विद्या की देवी मां सरस्वती की विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई मंत्र उपचार के साथ नवीन भवन का वास्तु पूजन गायत्री परिवार के द्वारा किया गया साथ ही कन्याओं का पूजन यजमानों के द्वारा किया गया गायत्री परिवार के द्वारा पांच कुंडलीय यज्ञ का भी विशेष आयोजन किया गया जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव स्थित नर्मदांचल विद्यापीठ के नवीन भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिसमें अत्याधुनिक कक्षा रूम आधुनिक लैब सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं नवीन भवन में कन्या पूजन वास्तु पूजन

सरस्वती पूजन में प्रमुख रूप से मां शारदा शक्तिपीठ मैहर के प्रधान पुजारी नितिन महाराज जी सेवानिवृत्त चंद्र कुमार पाठक एसईसीएल सेवानिवृत्त कलेक्टर श्याम कुमरे सेवा निवृत कलेक्टर कृष्ण कुमरे सी ए राजेश जैन पंकज चौकसे गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश नरेंद्र सिंह शहडोल कृष्ण कुमार बिलैया विक्रम सिंह विद्यालय की प्राचार्य सुरभि पांडे सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यालय के छात्र-छात्राएं सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

तुलसी शालिगराम विवाह की सुहागले व भंडारा कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस भगवान शालिगराम तुलसी विवाह का तीन दिवसीय आयोजन आदि शक्ति महिला रामायण मंडल के द्वारा किया गया जिसमें सभी रीति रस्मों से विवाह संपन्न हुआ ढोल धमाके के साथ बारात निकाली गई। यादव कॉलोनी में विगत वर्षों से रामायण पाठ का आयोजन महिला रामायण मंडल द्वारा किया जा रहा है उसी समय से प्रतिवर्ष देवउठनी एकादशी पर बड़े हर्षोल्लास से विवाह का आयोजन किया जाता है संपूर्ण क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में यह आयोजन होता है विगत दिवस सभी मातृशक्तियों द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में सुहागले के साथ भंडारा का आयोजन किया गया। तुलसी विवाह समापन, जिला कायस्थ महिला मंडल द्वारा बधु पक्ष एवं नारी शक्ति मंडल द्वारा वर पक्ष, जिसमें मंजू खरे ने कन्या दान की रस्म अदा की, एवं ज्योति उपाध्याय के भगवान शालीग्राम रहे। दोनों पक्षों के द्वारा अति हर्षोल्लास से पांच दिन का कार्यक्रम मनाया गया तथा भंडारा एवं सुहागले करा कर कार्यक्रम समापन किया गया। कायस्थ समाज की महिला मंडल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

अराजकता: शराबियों की सजती है महफिल

शासकीय कार्यालय के पास खुलेआम बिक रहा मांस

प्रशासन की अंदेखी दे रही अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा मांस ब्रिकी के लिए एकांत क्षेत्र में खोले जाने तथा मांस को ढक कर विक्रय करने का नियम बनाया गया है साथ ही यह भी नियम बनाया गया है कि मांस की दुकान धार्मिक स्थानों से नियत दूरी पर भी होनी चाहिए लेकिन ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय में सामने आया जहां पर प्रशासन की नाक के नीचे नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से मांस का विक्रय किया जा रहा है तथा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अनदेखा कर रहे है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे दुकानदारों पर ठोस कार्रवाई कर दुकानों को हटवाया जाए जिससे नगर का सौंहार्द्र बना रहे तथा नियमों का सही ढंग से पालन हो सके।

क्षेत्र में अराजकता का माहौल

नगर में लोक सेवा केन्द्र के सामने रोड पर मांस तथा आनलाइन दुकान संचालित की जा रही है। कार्यालय बंद होते ही आनलाइन दुकान भी लगभग बंद हो जाती है और फिर प्रारंभ होता असली खेल जो देर रात तक अनवरत चलता रहता है। मांस की दुकान के पास लोगों द्वारा शराबखोरी की जाती है तथा मांस खाया जाता है और उसके अवशेष व गंदगी कार्यालय के आसपास फेंकी जाती है। लोक सेवा केन्द्र से लेकर टाकीज क्षेत्र तक शराबियों की महफिल सजी रहती है। वहीं मांस का विक्रय करने वाले दुकानदारों की विक्री भी ज्यादा होती है और क्षेत्र मे अराजकता का माहौल बना रहता है जबकि उक्त क्षेत्र मे ही सभी शासकीय कार्यालय है तथा अधिकारियों का देर तक आना जाना लगा रहता है। लेकिन उक्त ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है।

मंदिरों से 50 कदम दूर मांस की दुकान

सरकार द्वारा मांस विक्री को लेकर नियम लेकिन

हारभूम

अव्यवस्था व अतिक्रमण का शिकार हो रहा लोक सेवा केंद्र

शाम होते ही सजती है शराबियों की महफिल

धरातल पर नियमों का पालन नही हो रहा है। जिसपर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। शासकीय रेस्ट हाउस में मंदिर बना हुआ है और ठीक 50 कदम सामने मांस की दुकान है वहीं दूसरी ओर सहकारी बैंक परिसर मे मंदिर तथा तीसरा मंदिर टाकीज के सामने है सभी मंदिरों के सामने महज 50 कदम दूर धड़ल्ले से मांस का विक्रय किया जा रहा है। मांस की दुकान पर अधिकांश शराबियों का आना जाना होता है शराबी नशे मे धुत होते है जिससे महिलाओं को आने जाने में भी परेशानी होती है तथा भय का वातावरण बना रहता है। वही सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार मंदिरों के सामने मांस की दुकान वर्जित है तो प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई कर उन्हे हटाया क्यों नही जा रहा है।

ठोस कार्रवाई करे प्रशासन

लोक सेवा केन्द्र से लेकर टाकीज तक लगने वाली मांस की दुकानों पर प्रशासन द्वार जांच कर ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए तथा नियम विरूद्ध पाए जाने पर दुकानदारों पद ठोस कार्रवाई कर उन्हे विस्थापित किया जाए। जिससे क्षेत्र मे शांति का माहौल रहे तथा आने जाने वाले सुरक्षित महसूस कर सकें। कई बार राहगीरों के साथ बदसलूकी की घटनाएं भी सामने आई हैं, परंतु पुलिस गश्त न के बराबर है। यदि स्थिति ऐसी ही रही तो यह क्षेत्र जल्द ही असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन सकता है। प्रशासन ठोस कार्रवाई करे। जिससे लोगों को अराजकता के माहौल से छुटकारा मिल सके।

विवेक पटेल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। युवा कांग्रेस चुनाव में पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विवेक पटेल युवा कांग्रेस के चुनाव में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। ऑनलाइन हुए चुनाव में मतदान के पश्चात बीते दिवस परिणाम आने पर नरसिंहपुर जिले का अध्यक्ष घोषित किया गया उनके अध्यक्ष बनने पर युवा कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने विवेक पटेल का स्वागत किया और जिला कांग्रेस कार्यालय में बड़ी संख्या में एकत्रित युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। अपने निर्वाचन के पश्चात नव निर्वाचित जिला युवा कांग्रेस विवेक पटेल ने कहा कि युवा कांग्रेस के साथियों ने उन पर जो भरोसा किया है उस विश्वास को बनाए रखेंगे और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेंगे। साथ ही निर्वाचित अन्य पदाधिकारी का भी स्वागत किया गया।

सुयश सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक नियुक्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिनों म.प्र.भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने नरसिंहपुर जिले के लोकीपार ग्राम कृषक परिवार से निकले सुयश त्यागी को म.प्र. भाजपा का सोशल मीडिया विभाग का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है सुयश एक विचारशील चिंतक, युवा लेखक व साहित्यकार हैं। वर्ष 2021 में भाजपा मध्यप्रदेश का सोशल मीडिया प्रदेश सह संयोजक बनाया गया था। उसके बाद विधानसभा व लोकसभा चुनावों में प्रदेश स्तरीय चुनाव प्रबन्धन समिति का हिस्सा रहे। उनकी नियुक्ति पर नरसिंहपुर जिले के भाजपा कार्यकर्ताओ ने अपनी शुभकामनाएं दी है।

पूर्व राज्यमंत्री की जनसुनवाई में आए 230 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा हर गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 230 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 230 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

आमने सामने भिड़े दो ट्रक, एक की मौत एक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिले में नेशनल हाइवे पर गुरुवार को एक सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना थाना स्टेशनगंज क्षेत्र में रोपड़ी नर्सरी जैतपुर के पास हुई। पुलिस के अनुसार, नरसिंहपुर की ओर जा रहे ट्रक के चालक प्रदीप साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, छिंदवाड़ा से चोकर भरकर ला रहे दूसरे ट्रक के चालक राजा कहार घायल हो गए। घायल चालक राजा कहार ने बताया कि वह अपनी लेन में ट्रक चला रहे थे। तभी सामने से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर गलत दिशा में आ गया। जिससे दोनों ट्रकों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद 1033 एम्बुलेंस सेवा की मदद से मृतक और घायल दोनों को नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिंहपुर चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

माता रानी की सुहागलों का भव्य आयोजन

गोटेगांव। चौरसिया महिला समिति गोटेगांव द्वारा आयोजित माता रानी की सुहागलों का भव्य आयोजन एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव था। इस पावन अवसर पर तुलसी विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 60 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।*कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा चौकसे जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन को और भी भव्य बनाया। माता रानी के मधुर भजनों और भोजन प्रसादी ने वातावरण को भक्तिमय और श्रद्धामय बना दिया। आयोजन में समिति की कोषाध्यक्ष कौशल्या अन्नीलाल, सचिव श्वेता, सहसचिव मोनिका तथा अंजना, नेहा और सरिता की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। समिति की अध्यक्ष श्रीमती बबीता ने सभी सदस्यों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ₹सहयोग और एकजुटता से ही समाज प्रगति की ओर अग्रसर होता है। उनके इन शब्दों ने सभी के मन में एक नई ऊर्जा और उत्साह भर दिया।कार्यक्रम में महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता और भक्ति भाव ने समाज में एकता, संस्कृति और मातृशक्ति के सम्मान का सुंदर संदेश दिया। इस आयोजन ने साबित कर दिया कि जब महिलाएं एकजुट होती हैं, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

शहीद ऋषिकांत विश्वकर्मा की स्मृति में भव्य कवि सम्मेलन आयोजित

गोटेगांव। ग्राम तिंदनी में सिलावट समाज के तत्वाधान में शहीद वायु सैनिक ऋषिकांत विश्वकर्मा की स्मृति में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन विगत दिनों रविवार को किया गया। इस कवि सम्मेलन में अंतराष्ट्रीय हास्य व्यंग के सशक्त हस्ताक्षर आदरणीय गुरु सक्सेना के साथ,अशोक त्रिपाठी,महेंद्र मोती ,लखन शब्दाक्षरी, विकास वैरागी और मेघा मिश्रा शामिल हुई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती और शहीद ऋषिकांत के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को विधिवत आरंभ किया गया। तत्पश्चात कवि मेघा मिश्रा ने सरस्वती वंदना का वाचन किया।इसके पश्चात मंच पर विराजित कवियों का पुष्पमाला व शॉल के द्वारा स्वागत किया गया। पहले कवि के रूप में विकास वैरागी ने अपना काव्य पाठ किया और अपनी कविता के माध्यम से श्रोताओं को गुदगुदाया और युवाओं पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।इसके बाद सुश्री मेघा मिश्रा ने अपने मुक्तकों के माध्यम से सभी को प्रभावित किया।इसके पश्चात लखन शब्दाक्षरी ने अपनी गजलों के माध्यम से शहीद वीर सपूत को शब्दांजलि दी। वहीं अशोक त्रिपाठी ने पर्यावरण के प्रति अपनें भावों को व्यक्त किया। इसके पश्चात हास्य व्यंग के सशक्त छंद सम्राट गुरू सक्सेना ने जैसे ही अपने अंदाज में छंद पढ़े पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।अपने शास्त्रीय छंदों के माध्यम श्रोताओं पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।करेली से आएं युवा कवि अंशुल नादान और अमित जैन संजय ने भी अपना अपना काव्य पाठ किया। कवि महेंद्र मोती को भी इस अवसर पर काव्य पाठ करनें का सौभाग्य प्राप्त हुआ।मंच का कुशल संचालन महेंद्र मोती द्वारा किया और श्रोताओं को अपने संचालन में अंत तक बांध कर रखा और अंत में आपने काव्य पाठ कर श्रोताओं का भरपूर स्नेह पाया।इस अवसर पर शहीद ऋषिकांत विश्वकर्मा का पूरा परिवार,तिंदनी ग्राम से विशाल जनसमूह और मातृ शक्तियों की उपस्थिति रहीं साथ ही राजनीति की हस्तियां,मीडिया बंधु और आस पास के क्षेत्र बम्होरी,नयागांव, मलाह पिपरिया,गोटेगांव, जबलपुर,भोपाल व कटनी से सुधि श्रोतागण मौजूद रहें। लगातार चार घंटे तक चले कवि सम्मेलन ने सभी के ह्रदय में ऐसी छाप छोड़ी,जिसकी स्मृतियां लोगों के जहन में आजीवन रहेंगी।अंत में शहीद ऋषिकांत विश्वकर्मा के पिता भरतलाल विश्वकर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया और विधवत कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

श्री देव मुरलीधर विद्यालय में भौतिक विज्ञान के उत्कृष्ट प्रोजेक्ट छात्रों द्वारा तैयार किये गए

श्री देव मुरलीधर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भौतिक विज्ञान (Physics) विषय में सराहनीय कार्य करते हुए, आकर्षक वर्किंग प्रोजेक्ट तैयार किये है। ये प्रोजेक्ट छात्रों द्वारा विज्ञान की गहरी समझ और प्रयोगात्मक ज्ञान का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करते है।ये प्रोजेक्ट भौतिक विज्ञान के शिक्षक सुनील झरिया के मार्गदर्शन में बनाये गये, जिन्होंने छात्रों को पूरे निर्माण कार्य में प्रेरित किया और तकनीकी सहायता प्रदान की। छात्रों ने आपसी सहयोग, शोध और परिश्रम से इन प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रोजेक्ट में ऊर्जा संरक्षण, गति के सिद्धांत और विद्युत परिपथों के व्यावहारिक उपयोग को सरल तरीके से प्रदर्शित किया गया है।विद्यालय प्रशासन ने छात्रों के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के प्रोजेक्ट न केवल छात्रों की वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देते हैं बल्कि उन्हें नवाचार और अनुसंधान की दिशा में प्रेरित भी करते हैं।शिक्षक सुनील झरिया ने बताया कि आने वाले समय में इन प्रोजेक्ट को विज्ञान प्रदर्शनी में प्रस्तुत किये जायेंगे, ताकि अन्य विद्यार्थी भी इससे प्रेरणा ले सकें।यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और विद्यार्थियों की मेहनत का सुंदर परिणाम है। इस अवसर पर बाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष सिंघई पंकज जैन और सह सचिव आनंद अग्रवाल, विद्यालय प्राचार्य शिव शंकर पाठक एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गोटेगांव। बीते दिवस कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं का नर्मदा तटो पर उमड़ा जनसैलाब अल सुबह से ही श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा तटो पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और पूर्ण विधि विधान मंत्र उच्चारण के साथ मां नर्मदा मैया जी की पूजन अर्चन किया ऐसा बताया गया है कि कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं द्वारा कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करके आज तक की डुबकी लगाते है जिसका विशेष पुण्य मिलता है इस दिन गंगा स्नान को बहुत पुण्यकारी माना जाता है और यह आत्म शुद्धि व मोक्ष के लिए किया जाता है इसके अतिरिक्त योगदान पुण्य दीपदान और भगवान विष्णु से व लक्ष्मी की पूजा भी करते हैं इसी क्रम में गोटेगांव के नर्मदा तट मुआरघाट झांसीघाट शेल बेलखेड़ी घाट ब्रह्मकुंड घाट सहित अन्य घाटों पर सैकड़ो श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और मां नर्मदा मैया से सुख समृद्धि की कामना की! साथ ही इस मौके पर सभी नर्मदा तटो पर नगरीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए साथ ही पुलिस प्रशासन द्वारा भी घाटों पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए

डी एम ओ केंद्र को बना दिया उपार्जन केन्द्र

किसानों को 50किमी दूर से हो पाती हैं खाद बीज की व्यवस्था

तेंदूखेड़ा । एक तरफ जहां शासन किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए तरह तरह की योजनाएं चला रहा है लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों के साथ प्रशासनिक उदासीनता के चलते उन्हें समय पर लाभ नहीं मिल पाने के कारण किसान परेशान होकर सीजनेविल फसलों की व्यवस्था में डेढ़ से दो गुनें दामों में खाद बीज की व्यवस्था कर पाते हैं। ऐसा ही एक मामला तेंदूखेड़ा क्षेत्र में देखने को मिला जहां यहां का डबल लाक स्टिम खाद बीज वितरण केन्द्र डी एम ओ वेयर हाउस को कुछ समय के लिए खोलकर पुनः बंद कर दिया गया है। जिससे यहां के कृषकों को अब 40से50 किमी की दूरी तय करके करेली से खाद बीज की व्यवस्था बनानी पड़ती है। चूंकि दूरी के मान से और समय पर उठाव की व्यवस्था ना हो पाने के कारण समीपवर्ती गांव की सोसाइटी खाद बीज उठा लेते हैं और तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसान वंचित हो जाते जिसका सीधा लाभ व्यापारी वर्ग उठाता है जो डुप्लीकेट और अपने मनमाने दामों पर खाद बेचते हुये देखे सुने जा सकते हैं।

वर्ष 2017-18 में बनाया था केंद्र

गौरतलब रहे कि जिले की सभी तहसीलों में अलग अलग खाद बीज वितरण केन्द्र की व्यवस्था पूर्व से ही गई है ।लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों की खाद बीज संबंधी समस्यायों को लेकर यहां पर वर्ष 2017 -18 में यहां पर यह केंद्र बनाया तो गया लेकिन वह महज कुछ ही महीनों बाद बंद कर दिया और अब इस केंद्र को गेंहू धान का उपार्जन केन्द्र के साथ साथ पी डी एस का चावल गोदाम बना दिया गया है।

लगता है अधिक भाड़ा

सबसे बड़ी समस्या एक यह और बनीं हुई है कि वर्तमान में जहां से खाद बीज आता है वहां की दूरी के मान से भाड़ा अधिक हो जाता है। चूंकि भले ही तेंदूखेड़ा से करेली की दूरी 40किमी है लेकिन हीरापुर भामा मदनपुर सर्रा और बंधी के लिए यह दूरी 50 से 55 किमी दूर हो जाती है।आरो कटने के बाद जब तक सोसाइटी वाहनों की व्यवस्था करके वहां पहुंच पाता है तब तक केंद्र से पास की सोसाइटी खाद उठाकर ले जाती है। इसमें भी सबसे बड़ी समस्या यह देखने को मिला करती है कि बीच में खाद की बोरियां भी बदल जाती है जो मोटे बारीक और फिर गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़ा करतीं हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों ने एक बार फिर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से यहां पर खाद वितरण केन्द्र प्रारंभ किया जाये।इस विषय को लेकर पूर्व में जिला बैठक में जिले की कलेक्टर एवं क्षेत्रीय सांसद विधायक की उपस्थिति में यह विषय रखा गया था। लेकिन इस दिशा में अभी तक कोई भी उचित पहल नहीं हो पाई है।किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए यह केंद्र शीघ्र ही शुरू होना चाहिए।

स्कूल व आंगनबाड़ी में बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बचई में स्थित सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल के साथ ही आंगनबाड़ी में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया गया है। स्थानीय निवासी एवं करणी सेना के जिला अध्यक्ष भाजपा नेता अर्जुन सिह राजपूत ने यहां की समस्याएं प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिह तक पहुंचाई हैं। अर्जुन राजपूत ने भोपाल में मंत्री उदय प्रताप के निवास पर उनसे मुलाकात कर गांव के प्रायमरी, मिडिल एवं हाईस्कूल समेत आंगनबाड़ी भवन के परिसर में बाउंड्रीवाल के निर्माण की मांग रखी है। श्री राजपूत ने मंत्री को बताया कि बचई की महाकौशल शुगर मिल इन चारों शासकीय संस्थान के बेहद नजदीक है। जल्द ही आगामी गन्ना सीजन शुरू होने वाला है। गन्ना सत्र के दौरान बहुत बड़ी संख्या में ट्रेक्टर और अन्य वाहन लेकर किसानों के ड्राइवर और स्वयं किसान बचई शुगर मिल पहुंचते हैं। बाउंड्रीवाल न होने की स्थिति में बड़ी संख्या में लोग स्कूलों के सुविधाघरों व शौचालयों का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही रात्रि के समय में स्कूल परिसर में बैठकर ही शराबखोरी की जाती है। जिसके चलते सुविधाघरों में भारी गंदगी व स्कूल परिसर में शराब की खाली बोतलें और कचरा फैलता है। इन सभी कारणों से स्कूल में अध्ययनरत छात्रों और खासतौर पर छात्राओं को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मंत्री उदय प्रताप ङ्कषसह ने श्री राजपूत को आश्वासन दिया है कि जल्द ही तीनों स्कूलों समेत आंगनबाड़ी भवन परिसर की सुरक्षा हेतु 8 फिट ऊंची बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जायेगा।